aglasem.com

FOR UP CLASS 12 PREPARATION

UP Board Class 12th Model Paper 2027 General Hindi

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
UP Class 12	2027	Sample Paper	Hindi

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2026–27

विषय– सामान्य हिन्दी

कक्षा–12 पूर्णांकः100

समयः तीन घण्टे 15 मिनट

नोट–(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड है, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

(खण्ड–क)

प्रश्न–1(क)खड़ी बोली गद्य की प्रथम रचना 'गोरा बादल की कथा' के रचनाकार हैं– 5×1=5

(i) इंशाअल्ला खॉ

(ii) सदासुख लाल

(iii) जटमल

(iv) लल्लू लाल

(ख) कौन सा सुमेलित नहीं है–

(i) पंचलाइट–रेणु

(ii) बहादुर–शिवानी

(iii) ध्रुवयात्रा–जैनेन्द्र कुमार

(iv) मंत्र–प्रेमचन्द

(ग) 'किसी व्यक्ति, घटना या दृश्य का अपने स्मरण के आधार पर कल्पना के माध्यम से लिखे गये विषय–वस्तु को ' हिन्दी साहित्य में किस विधा के अन्तर्गत रखा जाता है?

(i) कविता

(ii) रिपोर्ताज

(iii) संस्मरण

(iv) नाटक

(घ) 'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात और ' अग्नि की उड़ान' के लेखक हैं––

(i) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी

(ii) अबुल कलाम आजाद

(iii) सम्पूर्णानन्द

(iv) डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम

(ड़)'घुमक्कड़ शास्त्र' के लेखक है–

(i)राहुल सांकृत्यायन

(ii) विद्यानिवास मिश्र

(iii) भगवती चरण वर्मा

(iv) प्रेमचन्द

प्रश्न–2(क)'कविता वर्धिनी सभा' और 'कविवचन सुधा' का सम्बन्ध है– 5×1=5

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से

(ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी से

(iii) श्रीधर पाठक से

(iv) अयोध्या प्रसाद 'हरिऔध' से

(ख) निम्न में से कौन प्रगतिवादी कवि नहीं है?

(i) नागार्जुन

(ii) त्रिलोचन

(iii) नेमिचंद जैन

(iv) केदारनाथ अग्रवाल

(ग) महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस काव्य–संग्रह पर मिला?

(i)नीरजा

(ii) यामा

(iii) नीहार

(iv) सांध्यगीत

(घ) 'छायावादी युग' का कालक्रम है–

(i) 1850–1900

(ii) 1900–1920

(iii) 1920–1936

(iv) 1936–1943

(ड़) कौन–सा सुमेलित नहीं है–

क्रम	रचना	रचनाकार
(i)	बापू के प्रति	सुमित्रानंदन पंत
(ii)	कैकेयी का अनुताप	महादेवी वर्मा
(iii)	पवन दूतिका	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(iv)	उर्वशी	रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्रश्न–3 दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 5×2=10

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल, मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा–निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की! भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) कौन सी ज्योति विश्व की सर्वोत्तम ज्योति है?

(v) लेखक ने किसके मुस्कानमय जीवन का चित्रण किया है?

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुंदरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरूषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कंधे पर से ही फूट उठता था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया है?

(iv) अशोक पर फूल आने के सम्बन्ध में लेखक के क्या विचार है।

(v) 'आसिंजनककारी' तथा 'कर्णावतंस' का अर्थ लिखिए।

प्रश्न–4 दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5×2=10

तुम मांसहीन, तुम रक्त–हीन

हे अस्थि–शेष! तुम अस्थि–हीन,

तुम शुद्ध–बुद्ध आत्मा केवल,

हे चिर पुराण, हे चिर नवीन!

तुम पूर्ण इकाई जीवन की,

जिसमें असार भव–शून्य लीन,

आधार अमर, होगी जिस पर

भावी की संस्कृति समासीन।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) प्रस्तुत पद्यांश के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(iv) कौन हड्डियों के ढाँचा मात्र प्रतीत होते है?

(v) गाँधी जी के आदर्शों पर भविष्य में किसे खड़ा होना पड़ेगा?

अथवा

सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,

तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार।

हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी नादान,

फूल–कॉटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,

खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार।

काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कवि ने वैज्ञानिक युग के मानव को क्या चेतावनी दी है?

(iv) कवि ने तलवार किसे बताया है ?

(v) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस एवं अलंकार का नाम लिखिए।

प्रश्न–5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– (शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2=5

(i) हरिशंकर परसाई

(ii) प्रो0 जी0 सुंदर रेड्डी

(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए– (शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2=5

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) अज्ञेय

प्रश्न–6 'पंचलाइट' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(शब्द सीमा अधिकतम–80) 5 अंक

अथवा

'लाटी' अथवा 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रशन–7 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– (शब्द सीमा अधिकतम–80) 5 अंक

(i)'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii)'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(iii)'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(iv)'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(v)'अलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसका चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'अलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(vi)'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

खण्ड–ख

प्रश्न–8(क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2+5=7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं व्याकरणच्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यच्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्.मयं ददाति न तादृशीं किच्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सज्जायन्ते।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्व–बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्री जवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पच्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत्। यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ।

(ख)निम्नलिखित श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।

खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।

व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्।।

प्रश्न–9 निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1+1=2

(i)सूर्य को दीपक दिखाना ।

(ii)हवाई किले बनाना।

(iii)अपना उल्लू सीधा करना।

(iv)अगर–मगर करना।

प्रश्न–10 अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रकृति मानव जीवन का आधार है। वृक्ष, नदियाँ, पर्वत, पशु–पक्षी आदि सभी प्रकृति के अंग हैं, जो न केवल सौंदर्य प्रदान करते हैं, बल्कि हमारे जीवन को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परन्तु आज का मानव अपने स्वार्थ के कारण प्रकृति का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण और जीव–जंतुओं की संख्या में कमी इसके कुछ उदाहरण है। यदि हमने समय रहते प्रकृति की रक्षा नहीं की, तो भविष्य में मानव जीवन संकट में पड़ सकता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह प्रकृति के संरक्षण के लिए अपने कर्त्तव्य को समझे और सकारात्मक प्रयास करें।

(i)'उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए? 1

(ii)मानव जीवन में प्रकृति का क्या महत्व है? 2

(iii)मनुष्य द्वारा प्रकृति को किस प्रकार नुकसान पहुँचाया जा रहा है ? 2

अथवा

हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास तो हो रहा है, हम लक्ष्य–भ्रम से भी पीड़ित है। विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे है। मर्यादाएं टूट रही हैं। नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे हैं। व्यक्ति केन्द्रिकता बढ़ रही है। स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है। भोग की आकांक्षायें आसमान को छू रही हैं। उपभोक्ता संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को हिला रही है।

(i)उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(ii)उपभोक्ता संस्कृति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii)हमारे लक्ष्य भ्रम से पीड़ित क्यों हैं ?

प्रश्न–11 (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए।

(I) अविराम–अभिराम 1

(i) लगातार– सुन्दर (ii) किया हुआ–पूर्ण

(iii) सहारा–कोमल (iv) कुरूप–लगातार

(II) भवन–भुवन 1

(i) घर–संसार (ii) गृह–आकाश

(iii) सदन–हिस्सा (iv) संसार–जंगल

ख निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए– 1+1=2

(i) वायु (ii) मित्र

(iii) राजा (iv) लक्ष्य

ग निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए– 1+1=2

(I) कम बोलने वाला

(i) कंजूस (ii) अकिंचन

(iii) मितभाषी (iv) मुमुक्षु

(II) जो कीचड़ में उत्पन्न होता है–

(i) गुलाब (ii) फूल

(iii) पंकज (iv) सुमन

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– 1+1=2

(i) आज मेरा बड़ा भाई आ गया।

(ii) अध्यापक ने हमसे निबन्ध लिखाया।

(iii) तुम मेरे को पुस्तक दे दो।

(iv) हम पहाड़ में सैर करने गये थे।

प्रश्न–12 (क) 'करूण रस' अथवा 'शान्त रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

प्रश्न–13 उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को एक पत्र लिखिए, जिसमें टिकट–निरीक्षक के अभद्र व्यवहार की शिकायत की गई हो। 2+4=6

अथवा

अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गये उपहार के लिए धन्यवाद–पत्र लिखिए।

प्रश्न–14 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा–शैली में निबन्ध लिखिए।

(शब्द सीमा अधिकतम–250) 2+7=9

(i) भारत में निर्वाचन की प्रक्रिया
(ii) वसुधैव कुटुम्बकम
(iii) सशक्त नारीः सशक्त भारत
(iv) विकसित भारत में युवाओं की भूमिका
(v) इंटरनेट वरदान या अभिशाप